धुलिया में सूरि मंत्र साधना प्रारंभ

धुलिया 26 सितंबर। पूज्य गुरुदेव अवंति तीर्थोद्धारक खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के सूरिमंत्र की साधना का प्रारंभ ता.26 सितम्बर 2019 से हुआ है। चौथी व पांचवीं दोनों पीठिकाओं की साधना एक साथ संपन्न होगी। चौथी पीठिका में गणिपिटक यक्षराज एवं पांचवीं पीठिका में गणधर श्री गौतमस्वामी की आराधना की जायेगी।

इससे पूर्व सन् 2016 के दुर्ग चातुर्मास में प्रथम सरस्वती पीठिका की, सन् 2017 बीकानेर चातुर्मास में त्रिभुवन स्वामिनी देवी की एवं सन् 2018 इन्दौर चातुर्मास में महालक्ष्मी देवी की साधना पूर्ण की थी। इन दोनों पीठिकाओं की साधना के साथ पूज्यश्री की पांचों पीठिकाओं/पंच प्रस्थान की साधना संपन्न हो जायेगी।

ता.26 सितम्बर 2019 को श्री गौतमस्वामी एवं श्री गणिपिटक यक्षराज की प्रतिमाऐं पूज्यश्री को अर्पण की गई। श्री गौतमस्वामी की प्रतिमा अर्पण करने का लाभ धुलिया श्री संघ के अध्यक्ष श्री प्रेमचंदजी स्वप्निलजी नाहर परिवार ने लिया।

मुनि मंडल, साध्वी मंडल एवं सकल श्री संघ ने पूज्यश्री को साधना के लिये शुभकामनाऐं अर्पण की। जब तक पूज्यश्री की साधना चलेगी, तब तक धुलिया श्री संघ में प्रतिदिन आयंबिल तप की आराधना व विशेष जाप का आयोजन किया गया है।

ता.20 अक्टूबर 2019 को प्रातः 5 बजे सूरिमंत्र महापूजन होगा। तत्पश्चात् प्रातः ठीक 9 बजे पूज्यश्री साधना कक्ष से बाहर पधार कर महामांगलिक प्रदान करेंगे।

आर्य मेहुल प्रभसागर जी के जन्म दिवस पर हुए कई कार्यक्रम

बड़ा उपासरा में शांति स्नात्र पूजा का हुआ आयोजन

जैन भवन में हुआ सामूहिक गुरु इकतीसा पाठ का आयोजन

भादरिया गोशाला में हुआ जीवदया के कार्यक्रम का आयोजन

जैसलमेर, 22 सितम्बर। जैन ट्रस्ट जैसलमेर एवं सकल जैन समाज के तत्वावधान में पूज्य गुरुदेव खरतरगच्छाधिपति आचार्य देवेश श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य मुनिराज श्री मयंकप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा 2 का चातुर्मास स्वर्णनगरी में आराधना पूर्वक चल रहा है। चातुर्मास के मध्य आर्य मेहुलप्रभसागरजी म.सा. के जन्मदिवस के उपलक्ष में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद शाखा जैसलमेर एवं खरतरगच्छ पार्श्व महिला परिषद जैसलमेर के तत्वाधान में प्रातः 9 बजे भगवान गोड़ी पार्श्वनाथजी का बड़ा उपासरा में भव्य भजनों के माध्यम से सामूहिक स्नात्र पूजा का भव्य आयोजन किया गया तत्पश्चात नवकार जाप एवं केशर पूजा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन एवं प्रभावना का लाभ श्री भगवानदासजी जिंदानी परिवार ने लिया।

साथ ही सिटीपार्क के पास बाड़मेर रोड पर स्थित भादरिया गोशाला में जीवदया का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रात्रि 9 बजे स्थानीय जैन भवन में सामूहिक दादागुरुदेव इकतीसा पाठ का आयोजन उल्लास पूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। जिसका लाभ श्री भगवानदासजी जिंदाणी परिवार ने लिया।

-तरुण जिंदाणी, जैसलमेर

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् - चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

धुलिया 21-22 सितंबर। अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् एवं अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् का दो दिवसीय चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज आदि ठाणा एवं साध्वीवर्या विमलप्रभाश्रीजी म. एवं साध्वीवर्या आज्ञांजनाश्रीजी म. आदि ठाना की निश्रा में महाराष्ट्र के धुलिया नगरी में आयोजित किया गया।

खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवन्त ने अधिवेशन में युवाओं को वफादारी, समझदारी, जिम्मेदारी एवं इमानदारी के मूल मन्त्र प्रदान करते हुए जीवन में समर्पण को अपनाने का संदेश दिया एवं मुनि मनितप्रभसागरजी ने अनुशासन को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

साध्वीवर्या विमलप्रभाश्रीजी ने साधु-साध्वी भगवन्तों के विहार वैयावच्च में युवा परिषद् के सहयोग की मुक्त कण्ठ से सराहना की। अधिवेशन में पधारे हुए समस्त सदस्यों का हार्दिक स्वागत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार लूणिया ने परिषद् के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई, राष्ट्रीय चेयरमेन पदमचन्द बरडिया द्वारा अधिवेशन की औपचारिक शुरूआत की गई। मुख्य अतिथियों एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्यों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, ध्वजारोहण किया गया एवं युवा परिषद् गीत द्वारा सलामी प्रदान की गई।

परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री रमेश कुमार लुंकड़ ने विगत वर्ष के कार्यक्रमों की जानकारी गुरुदेव को एवं सदस्यों को प्रदान की। राष्ट्रीय सहमन्त्री ललित डाकलिया ने परिषद् की वर्तमान सदस्य संख्या को बढ़ाने के साथ ही आज के डिजीटल युग में संसाधनों के उपयोग की बात कही। अधिवेशन के प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि श्री जिनदत्त-कुशलसूरि खरतरगच्छ पेढ़ी के अध्यक्ष बैंगलोर से श्रीमान संघवी तेजराजजी गुलेच्छा ने अपने सम्बोधन में युवा सदस्यों को टाइम मेनेजमेन्ट कैसे किया जाए इस बारे में समझाया। द्वितीय दिवस के मुख्य अतिथि मुंबई से जीतो एपेक्स के अध्यक्ष श्रीमान गणपतराजजी चौधरी ने युवाओं को अपने व्यापार में आगे बढने के गुर सिखाए।

समारोह में इन्कम टैक्स कमिश्नर श्री के. एल. माहेश्वरी ने भी अपने परिवार सहित पधारकर गुरुदेव से आशीर्वाद लिया और युवाओं को समाज सेवा के साथ धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कोषाध्यक्ष राजीव खजांची ने परिषद् के कार्यकलापों की जानकारी सदस्यों को दी। अधिवेशन में पूरे देश भर की करीब 80 शाखाओं से करीब 750 सदस्यों ने अपनी उपस्थिती दर्ज करवाई।

महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष एवं आगामी जनवरी में खरतरगच्छ के नामकरण के 1000 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में युवा परिषद् द्वारा एक वृहद् छःरी पालित संघ यात्र के संयोजक प्रदीप श्रीश्रीश्रीमाल ने इस संघ यात्र की रूपरेखा के बारे में बताया एवं सभी सदस्यों के सहयोग की अपेक्षा की। साथ ही युवा परिषद् के स्वाध्याय प्रकोष्ठ द्वारा इस वर्ष भारत भर के 25 संघों में 60 स्वाध्यायियों के द्वारा पर्युषण पर्व की आराधना करवाने की जानकारी प्रदान की एवं आगामी वर्ष में देश के 50 संघों में पर्युषण पर्व की आराधना का लक्ष्य रखा

गया। गत वर्ष के स्वाध्यायियों एवं युवा परिषद् तथा महिला परिषद् द्वारा संचालित ज्ञान वाटिकाओं के बच्चों को दो प्रतिक्रमण एवं पंच प्रतिक्रमण सीखने पर युवा परिषद् द्वारा संघवी तेजराजजी गुलेच्छा के सौजन्य से बहुमान किया गया। साथ ही मुंबई शाखा द्वारा चांदी के मेडल द्वारा समस्त बच्चों का सम्मान किया गया।

गुरुदेव द्वारा युवा परिषद् के अन्तर्गत ज्ञान वाटिका प्रकोष्ठ एवं गच्छ की सुविहित क्रिया हेतु विधी विधान प्रकोष्ठ एवं उनके संयोजकों की घोषणा की गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम के आयोजक श्री शीतलनाथ संस्थान धूलिया, धुलिया श्री संघ एवं केयुप धूलिया शाखा व शाखा अध्यक्ष श्री जितेन्द्रजी टांटिया एवं उनकी टीम के साथ खानदेश की सभी शाखाओं के सहयोग के साथ इस सफलतम अधिवेशन हेतु इतने विशाल स्तर पर आवास, भोजन आदि समस्त व्यवस्थाएं सुंदरतम रूप से की। इस हेतु विशेष बहुमान केयुप की केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा किया गया। इस अधिवेशन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले समस्त महानुभावों का हृदय की गहराईयों से महामन्त्री रमेश लुंकड़ द्वारा हार्दिक आभार प्रकट किया गया। आगामी वर्ष पुनः नए जोश के साथ पंचम अधिवेशन में मिलने के वादे के साथ ही गुरुदेव श्री द्वारा अधिवेशन के समापन की घोषणा की गई। अधिवेशन में सम्पूर्ण भारत के अनेक श्रीसंघों, प्रदेशाध्यक्षों, समस्त प्रकोष्ठों के संयोजक एवं युवा परिषद् शाखाओं के सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिती रही।

छह री पालित संघ के बैनर, एवं फार्म का विमोचन गुरुदेव श्री की निश्रा में मुख्य अतिथियों के द्वारा किया, अधिवेशन में सुरक्षा प्रकोष्ठ के संयोजक चम्पालाल वाघेला, स्वाध्याय प्रकोष्ठ के सह संयोजक ललित कवाड, वैयावच्च विभाग के संयोजक भेरूलाल लूनिया, सह संयोजक मनीष मेहता, प्रचार प्रसार संयोजक धनपत कानुंगो, सह संयोजक अंकित बोहरा, व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ के सह संयोजक कल्पेश अरणाईया ने भी अपने विचार प्रस्तुत करते हुए अपने क्षेत्र की गतिविधियों से अवगत कराया। अधिवेशन में संघवी श्री वंशराजजी भंसाली, पूर्व चेयरमेन श्री अशोककुमारजी भंसाली, पूर्व अध्यक्ष श्री रतनलालजी बोथरा, श्री बाबुलालजी लूणिया की भी उपस्थिती रही।

इसी के साथ केयुप की सौ के करीब शाखाओं में से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कारों की घोषणा की गई जिसमें प्रथम पुरस्कार बीकानेर, द्वितीय मुंबई एवं इचलकरंजी शाखा को एवं तृतीय अक्कलकुआ, सूरत पाल एवं अहमदाबाद शाखाओं को प्रदान किए गए।

-ललित डाकलिया, सहमंत्री केयुप

प्रतिक्रमण सीखने वालों को पुरस्कार

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् की घोषणा के अनुसार केयुप अथवा केएमपी द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका में जिन्होंने पांच प्रतिक्रमण सूत्रें को स्पष्ट रूप से याद किया है, उन बच्चों को 21 हजार रूपये की राशि का तथा दो प्रतिक्रमण सूत्रें को याद करने वाले बच्चों को 11 हजार रूपये की राशि का प्रोत्साहन पुरस्कार अर्पण किया जायेगा।

इस घोषणा के अनुसार केयुप - केएमपी के चौथे राष्ट्रीय अधिवेशन में पूज्य गुरुदेव अवंति तीर्थोद्धारक खरतरगच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. आदि साधु साध्वी मंडल की पावन निश्रा

में 5 छात्र-छात्रओं को पंच प्रतिक्रमण सूत्र स्मरण करने पर 21 हजार रूपये की राशि से पुरस्कृत किया गया। तथा 48 छात्र-छात्रओं को 11 हजार रूपये की राशि से पुरस्कृत किया गया।

उन सभी छात्र छात्रओं की स्वाध्याय प्रकोष्ठ संयोजक व केयुप के राष्ट्रीय महामंत्री रमेश लूंकड व उनकी टीम द्वारा परीक्षा ली गई।

इस पुरस्कार के प्रायोजक मोकलसर-बैंगलोर निवासी संघवी पुखराजजी तेजराजजी गोलेच्छा हैं। पिछले दो वर्षों से उनकी ओर से पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है।

साथ ही मोकलसर-हैदराबाद निवासी श्री रमेशकुमारजी पारख परिवार की ओर से सोने का सिक्का तथा केयुप की मुंबई शाखा की ओर से चांदी का सिक्का सभी उत्तीर्ण छात्र छात्रओं को प्रदान किया गया।

अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद (केएमपी) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का हुआ गठन

अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद (केएमपी) की नवीन राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन धुलिया में आयोजित दो दिवसीय चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन में खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में किया गया, जिसमें चेयरपर्सन नर्बदादेवी जैन बाड़मेर, अध्यक्षा सरोजदेवी गोलेच्छा राजनांदगांव, वरिष्ठ उपाध्यक्षा आरतीदेवी चण्डालिया बेंगलोर, महामंत्री कवितादेवी ललवानी इचलकरंजी, कोषाध्यक्षा रेनुदेवी खजांची बीकानेर, सहमंत्री सरितादेवी मेहता बाड़मेर, संघटन मंत्री मंजूदेवी कोठारी रायपुर, प्रचार प्रसार मंत्री मंजूदेवी अहमदाबाद को नियुक्त किया गया। खरतरगच्छ युवा परिषद् की केन्द्रीय समिति की ओर से सभी नवीन और गुरुदेव द्वारा चयनित पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रदान की गई।

केयुपद्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक गुरु इकतीसा जाप का आयोजन

केयुप की एक आवाज... सभी शाखाएँ एक साथ... कार्यक्रम के अंतर्गत पूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की पावनकारी प्रेरणा एवं आ"वान पर अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद्, अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् सहित देशभर के समस्त श्री संघों में सामूहिक गुरु इकतीसा का पाठ एवं भक्ति का आयोजन किया गया।

आसोज वदी 13शुक्रवार सिंह लग्न का सुखद संयोग एक साथ कई वर्षों बाद एक साथ आता है।

संवत आठ दोय हजारा, आसो तेरस शुक्करवारा,

शुभ मुहूर्त वर सिंह लगन में, पूरण कीनो बैठ मगन में।

आज से ठीक 68 वर्ष पूर्व महाप्रभावी दादा गुरुदेव इकतीसा की रचना जिस पुण्य पल में हुई थी वो दिन था आसोज वदी तेरस शुक्रवार का दिन, जिस दिन पूर्व में शुक्रवार सिंह लग्न में छड़ीदार गोपालजी ने गुरु

इकतीसा लिखकर श्रीपूज्य विजयेन्द्रसूरिजी म.सा. को अर्पित किया था जो श्री संघ के सामने यह इकतीसा बाचा गया जो आज सभी जगह श्रद्धा से पढा जाता है जाप होते है।

आसोज वदि तेरस शुक्रवार का संयोग कई वर्षों में होता है। यह सुखकारी संयोग इस वर्ष 27 सितंबर को था। इस शुभ अवसर को बधाने के उद्देश्य से केयुप द्वारा इकतीसा पाठ का आयोजन देशभर में किया गया। देश विदेशों में दो सौ से अधिक स्थानों पर हजारों गुरुभक्तफ़ों ने इस सामुहिक इकतीसा पाठ में शामिल होकर इतिहास बनाया। संभवतः प्रथमबार इतने विशाल स्तर पर दादागुरुदेव इकतीसा पाठ का आयोजन किया गया जो ऐतिहासिक व सफल रहा।

कई स्थानों पर तो प्रातः 3-4 बजे से ही सिंह लगन में पाठ प्रारंभ किया गया। अधिकांश जगहों पर 108 इकतीसा पाठ किया गया। रात्रि में गुरु भक्ति का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर केयुप, केएमपी एवं सभी संघों में गजब का उत्साह देखा गया। खरतरगच्छ की एकता एवं संगठन शक्ति को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आज का यह सामूहिक आयोजन महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

-धनपत कानुंगो, राष्ट्रीय संयोजक (प्रचार प्रसार), केयुप

सकल संघ को सूचना

इस वर्ष (वि.सं.2076) कार्तिक शुक्ला प्रतिपदा का क्षय हो रहा है। अतः यह प्रश्न है कि परमात्मा महावीर स्वामी निर्वाण कल्याणक कब मनाया जाये एवं गौतमस्वामी का रास वांचन कब हो!

समाधान यह है कि परमात्मा महावीर का निर्वाण कार्तिक कृष्णा अमावस्या को अंतिम प्रहर में हुआ था। तत्पश्चात् गौतमस्वामी को केवलज्ञान हुआ था।

इस वर्ष कार्तिक कृष्णा अमावस्या 28 अक्टूबर सोमवार को है। अतः 28 अक्टूबर सोमवार की रात्रि में निर्वाण कल्याणक संबंधी जाप होंगे तथा अंतिम प्रहर में अर्थात् 29 अक्टूबर मंगलवार को प्रातः निर्वाण कल्याणक का लड्डू चढाया जायेगा। निर्वाण लड्डू चढाने के पश्चात् श्री गौतमस्वामी के रास का वांचन किया जायेगा।

-गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरि

बाडमेर में ता- 26 फरवरी को भागवती दीक्षा

धुलिया 21 सितंबर। बाडमेर निवासी श्री जगदीशजी संखलेचा की सुपुत्री कुमारी राजेश्वरी उर्फ पूजा संखलेचा की भागवती दीक्षा फाल्गुन शुक्ल 3 को पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में बाडमेर नगर में संपन्न होगी।

श्री संखलेचा परिवार बाडमेर श्री संघ के साथ पूज्यश्री से दीक्षा की अनुज्ञा प्राप्त करने, दीक्षा की विनंती करने व दीक्षा मुहूर्त्त प्रदान करने की विनंती लेकर धुलिया नगर में ता.21 सितम्बर को पहुँचा।

कुमारी पूजा ने भावभरे शब्दों में संसार की असारता का वर्णन करते हुए पूज्यश्री से दीक्षा प्रदान करने की विनंती की।

पूज्यश्री ने उनकी विनंती को स्वीकार करते हुए 26 फरवरी 2020 का शुभ मुहूर्त्त प्रदान किया। कुमारी पूजा पिछले लम्बे समय से पूजनीया प्रवर्तिनी श्री शशिप्रभाश्रीजी म.सा. के पास चारित्र-शिक्षा प्राप्त कर रही है।

शुभ मुहूर्त्त की उद्घोषणा श्रवण कर सकल श्रीसंघ में परम आनंद छा गया। धुलिया श्रीसंघ, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् आदि द्वारा मुमुक्षु पूजा व संखलेचा परिवार का बहुमान किया गया।

चातुर्मास विनंती

पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के आगामी चातुर्मास हेतु सोलापुर, बैंगलोर, सूरत आदि क्षेत्रें से भावभीनी विनंतियाँ गच्छाधिपतिश्री के चरणों में निवेदित की गई।

सोलापुर श्री संघ ने बडी संख्या में उपस्थित होकर विनंती करते हुए कहा- चातुर्मास कराने की हमारी विनंती पिछले 15 वर्षों से समय-समय पर की जाती रही है। इस वर्ष आपश्री महाराष्ट्र क्षेत्र की स्पर्शना कर रहे हैं। हमारी भावभीनी विनंती है कि आगामी चातुर्मास आपश्री का सोलापुर नगर में हो।

बैंगलोर संघ ने अपनी विनंती प्रस्तुत करते हुए कहा- दक्षिण प्रदेश में गच्छ के कई कार्य होने हैं, अतः आगामी चातुर्मास का लाभ हमारे क्षेत्र को मिले, ऐसी आज्ञा प्रदान करावें।

बाडमेर श्री संघ सूरत ने विनंती करते हुए कहा- सूरत में बाडमेर श्रीसंघ बडी संख्या में निवास करता है। इस वर्ष सूरत आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। चातुर्मास मिलने से गच्छ को बहुत मजबूती और निष्ठा मिलेगी।

पूज्यश्री ने फरमाया- अभी यह चातुर्मास चल रहा है। होली के आसपास चातुर्मास का निर्णय किया जायेगा। संभवतः 26 फरवरी 2020 को समुदाय के चातुर्मासों की घोषणा की जायेगी। उस अवसर पर जैसा योग होगा, वैसा निश्चित किया जायेगा।

श्री जीरावला पार्श्वनाथ जिन कुशल सूरि ट्रस्ट, जीरावला का गठन

संरक्षक- डॉ. श्री यू. सी. जैन, उदयपुर
श्री द्वारकादासजी डोसी, बाडमेर
श्री उत्तमचंदजी रांका, चेन्नई

संयोजक- श्री कैलाश संखलेचा, चेन्नई, जिनमंदिर, दादावाडी निर्माण समिति
अध्यक्ष- श्री प्रवीणकुमारजी संखलेचा, हैदराबाद
वरिष्ठ उपाध्यक्ष- श्री अरविन्दजी श्रीश्रीश्रीमाल, सांचोर
उपाध्यक्ष-श्री लक्ष्मीचंदजी गांधी, चितलवाना
श्री भंवरलालजी मंडोवरा, अहमदाबाद
महामंत्री- श्री प्रकाशचंदजी छाजेड, जालोर
निर्माण मंत्री- श्री धर्मेन्द्रजी पटवा, जालोर
कोषाध्यक्ष- श्री दीपचंदजी कोठारी, ब्यावर
सदस्य- श्री बाबुलालजी श्रीश्रीश्रीमाल- मुंबई
श्री अशोककुमारजी गोलेच्छा, विजयवाडा
श्री पुरुषोत्तमजी सेठिया, बालोतरा
श्री अशोककुमारजी संखलेचा
श्री राजेशजी कटारिया, चेन्नई
श्री गौतमकुमारजी संखलेचा, चेन्नई
श्री धनराजजी देसाई, मल्हारपेठ
श्री राकेशजी धारीवाल, जोधपुर
श्री धनराजजी चौपडा, अहमदाबाद

प्रेषक

-जहाज मंदिर कार्यालय